

## नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का इंदौर में दिया गया संबोधन न केवल वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों का विश्लेषण है, बल्कि आने वाले समय के लिए एक स्पष्ट वैचारिक मार्गदर्शन भी है। उन्होंने बताया कि मनुष्य को केवल उपभोग की वस्तु मानने वाली भौतिकवादी सोच ने यूरोप की आत्मा को खोखला कर दिया, और अब यही सोच भारत की पारिवारिक व सामाजिक संरचना को भी तोड़ने में सक्रिय है। यह चेतावनी महज एक विचार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की सुरक्षा का आह्वान है।

डॉ. भागवत ने इंग्लैंड में 2021 में आयोजित 'डिस्मंटलिंग हिन्दुत्व' सेमिनार का संदर्भ देकर स्पष्ट किया कि यह कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित वैचारिक युद्ध है। इसके पीछे विश्व के 50-60 प्रभावशाली कॉर्पोरेट घराने हैं, जिनका उद्देश्य भारत की सामाजिक एकता को खंडित कर, यहां के विशाल बाजार पर कब्जा

## समरसता, सद्भाव और भविष्य की पूंजी

करना है। यह रणनीति उसी तरह की है, जैसी औपनिवेशिक युग में 'डिवाइड एंड रूल' के तहत अपनाई गई थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज भी वैचारिक उपनिवेशवाद सक्रिय है, जहां आर्थिक लाभ के लिए सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने के अभियान चलाए जाते हैं।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यहां धर्म और राष्ट्र एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं। धर्म यहां केवल पूजा-पढ़ति नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है, एक ऐसी समग्र दृष्टि जो व्यक्ति, परिवार, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करती है। डॉ. भागवत ने स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद जैसे महापुरुषों का उल्लेख कर यह स्मरण दिलाया कि सच्चा राष्ट्रवाद जात-पात के ऊपर उठकर, सबको एकचूत में

बांधने से ही सशक्त होता है। उनका यह आग्रह कि कमजोर समाज के उत्थान के लिए सभी जातियों को सामूहिक प्रयास करना चाहिए, केवल सामाजिक न्याय का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का भी आधार है। आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को ऊपर उठाना राष्ट्र को भीतर से मजबूत करता है, क्योंकि विभाजित समाज किसी भी बाहरी दबाव का सामना नहीं कर पाता।

इंदौर की सद्भाव बैठक से यह भी स्पष्ट है कि संघ इस वैचारिक चेतावनी को केवल भाषण तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि नवंबर में तहसील स्तर तक बैठकों के जरिए सामाजिक समरसता का आंदोलन खड़ा करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। यह मांडव यदि व्यापक स्तर पर लागू होता है, तो यह भारत की सांस्कृतिक सुरक्षा के साथ-साथ

आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता की भी गारंटी बन सकता है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो यूरोप और अमेरिका जैसे समाज, जहां उपभोगवाद ने पारिवारिक मूल्यों को पीछे छोड़ दिया, आज जनसंख्या संकट, मानसिक अस्वास्थ्य और सामाजिक विघटन से जूझ रहे हैं। वहीं, भारत की ताकत उसकी सामुदायिकता, संयुक्त परिवार प्रणाली और सांस्कृतिक तारतम्य में है, यदि हमने इन संभालकर रखे, तो न केवल वैचारिक उपनिवेशवाद की चुनौती का सामना कर पाएंगे, बल्कि आने वाले दशकों में एक सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभरेंगे।

डॉ. मोहन भागवत का संदेश हमें यही याद दिलाता है—भारत की असली शक्ति उसके मंदिरों, बाजारों या संसद भवन में नहीं, बल्कि उन घरों और मोहल्लों में है, जहां लोग एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी होते हैं। यही समरसता हमारी असली रक्षा-कवच है, और यही भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी।

मालवा - निमाड़ की डायरी

## धाकड़-सोजतिया विफल रहे, फिर जागी उम्मीद



संजय व्यास

गरोठ को जिला बनाने की दशकों की मांग फिर जोर पकड़ रही है। हर बार मामला फिसलता रहा, अब संघर्ष समिति को मोहन सरकार में गरोठ जिला बनने की उम्मीद

बलवती है। गरोठ के युवा सहित बुजुर्ग और कई संगठनों ने एकजुट होकर जिला बनाओ संघर्ष समिति के माध्यम से कई बार पहले भी प्रयास कर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक सबको पत्र लिखे, आंदोलन भी किए पर नीमच जिला बन गया और गरोठ वासी खाली हाथ रहे।

गरोठ-भानपुरा विधानसभा में कई नेता आए और चले गए लेकिन गरोठ को जिला बनाने के लिए जितनी कड़ी मशक्कत पूर्व भाजपा विधायक देवीलाल धाकड़ और पूर्व कांग्रेस विधायक और मंत्री रहे सुभाष सोजतिया ने की उतनी किसी नेता नहीं की। कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान के कारण सोजतिया गरोठ जिला नहीं बना पाए। पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने भी कई प्रयास किए लेकिन गुरु चले के वचनबद्ध शिवराज मामा गरोठ को जिला बनाने के आश्वासन के अलावा जिला बनाने की प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए। अब मोहन सरकार से आशा है, आंदोलन क्षेत्रीय विधायक चंद्र सिंह सिसोदिया को ठोस प्रयास करने पड़ेंगे।

गरोठ में जिला बनाओ संघर्ष समिति ने एक बैठक के दौरान कहा कि हम इस तहसील को हर हाल में जिला बनवा कर रहेंगे। पूर्व विधायक देवीलाल धाकड़ ने भी इस बात का समर्थन किया और कहा है कि हम गरोठ को जिला बनाने के लिए हर संभव प्रयत्न जारी रखेंगे भौगोलिक दृष्टिकोण हो या अन्य, हर तरह से गरोठ जिला बनने के उम्मीदों पर खरा



उतरता है। गाँधी सागर से मंदसौर की दूरी तय करने में कई घंटों का समय लगता है। गाँधी सागर से लेकर भानपुरा, गरोठ, भेसोदा, बोलिया, श्यामगढ़ की आमजनता और छोटे बड़े काम में गरीब मजदूर सुबह से शाम तक लम्बी दूर तय कर परेशान होते रहते हैं। गरोठ जिला बनने से इनकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

## माफिया-तस्कर बाधक

क्षेत्र में बढ़ते माफिया राज और तस्करों सहित काला बाजारी वाले गिरोह नहीं चाहते कि गरोठ जिला बनें। जिला बनने पर सभी विभागों के मुख्यालय यहां आ जाने से इन लोगों की कार्रगुजारी पर सीधा असर पड़ेगा। अवैध गतिविधियों पर तगड़ा शिक्का होने से इनके कामधंधों पर अंकुश रहेगा।

दूसरी तरफ गरोठ के जिला बनने से लाखों लोगों को फायदा होगा। इससे एक तरफ जहां सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी वहीं युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। अभी तस्कर-माफियाओं के लिए राह भटकते बेरोजगार उनकी अवैध गतिविधियों में मुख्य कड़ी हैं। सो राजनीतिक दलों में चुसे इनके तथाकथित दलाल अंदरूनी रीति से गरोठ को जिला बनाने में बाधा पैदा करने में कोई कसर नहीं छोड़ते।

## फिर लंपी वायरस की दहशत

रतलाम और ग्रामीण क्षेत्रों के गोपालकों में फिर लंपी वायरस की दहशत है। 2022 में भी लंपी वायरस गोवंश में फैला था, जो गायाँ के लिए महामारी साबित हुआ था। तब कई गायाँ की मौत के साथ ही दुग्ध उत्पादन पर भी बड़ा असर पड़ा था। फिलहाल रतलाम शहर और पास के गाँव खेतलपुर में कुछ पशुओं में लंपी वायरस के लक्षण देखे गए हैं। इसके महदेनजर गोपालक गायाँ को बाहर से चारा लाकर खिलाने से बच रहे हैं। उन्हें डर है कि बाहर से लाए गए हरे चारे की वजह से वायरस फैल सकता है। उधर पशु चिकित्सा विभाग भी सतर्क हो गया है और मातहत क्षेत्र के पशुओं पर नजर बनाए हैं।

## हेमंत की सादगी पर फिदा हर कार्यकर्ता



राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की आजकल पूरे प्रदेश में कार्यकर्ता आपस में चर्चा करते हैं और चर्चा का विषय रहता है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सादगी राजनीतिक क्षेत्र में जब किसी को जवाबदारी मिल जाती है तो व्यक्ति में परिवर्तन आता है और रहन-सहन बदल जाता है पर मध्य प्रदेश के कार्यकर्ता अपने नए अध्यक्ष की सादगी पर फिदा हैं। बिना ताम-झाम के सहज एवं सरल रूप से जैसे अध्यक्ष बनने से पूर्व हेमंत खंडेलवाल थे, वैसे ही अभी भी हैं।

किसी को छोटी-सी भी जवाबदारी मिल जाती है तो उसके बाद नेताओं को लग-दग कपड़ों में देखने के कार्यकर्ता आदि हो गए हैं पर हेमंत खंडेलवाल सादगी की प्रति मूर्ति हैं, सिंपल शर्ट-पैंट में रहते हैं। उनके साथ लंबा-चौड़ा हुजूम नहीं चलता। सहयोगी भी उन्होंने खुद के रखे हैं जिनका पेमेंट वह स्वयं करते हैं, ऐसा सुनने में आया है। गाड़ी ड्राइवर भी स्वयं के रखे हैं। आज मध्य प्रदेश का हर कार्यकर्ता एक बात की चर्चा करता है कि वह जो



## बिजलीघरों के विस्तार से पर्यावरण को क्षति

देश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए सरकार आगामी 6 वर्षों में बिजली उत्पादन में 90 गीगावाट की वृद्धि करने जा रही है। इससे पर्यावरणवादीयों में गहरी चिंता है क्योंकि नए थर्मल पावर प्लांट बनाने से वायु प्रदूषण फैलेगा, तापमान गर्म होगा तथा बिजली घरों की राख पानी में मिलने से सोला रोगग्रस्त होगा। 2015 में बिजलीघरों के लिए सल्फर डाय ऑक्साइड को ट्रीट करना बाध्यकारी बना दिया गया था, लेकिन अब यह नियम केवल नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) तथा 10 लाख की आबादी के शहरों पर लागू रहेगा और बाकी को इसकी अनिवार्यता नहीं रहेगी। ऐसी सी श्रेणी के 75 प्रतिशत औष्णिक बिजली घरों को जिनकी क्षमता 200 गीगावाट है, उत्सर्जन को ट्रीट करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। केंद्र सरकार ने



अपने कदम के समर्थन में आईआईटी दिल्ली और नागपुर के नीरी के अध्यक्ष का हवाला दिया है, जिसमें कहा गया है कि 10 शहरों में सल्फर डाय ऑक्साइड गैस का स्तर खतरनाक स्तर से कम है। भारतीय कोयले में सल्फर (गंधक) की मात्रा कम होने की बात कही गई है। इन सारी दलीलों के बावजूद यह तथ्य है कि जिन इलाकों में महाऔष्णिक बिजलीघर बने हैं, वहां बहुत गर्मी पड़ती है जैसे कि चंद्रपुर और कोरबा बहुत गर्म क्षेत्र हैं। इसके अलावा कोयले के धुएँ से वायु

प्रदूषण होता है और सांस व फेफड़े की बीमारियाँ बढ़ जाती हैं। बिजलीघरों की राख नदी-तालाब जैसे जलस्रोतों में बहाई जाती है जिसका पानी पीने से पेट की बीमारियाँ होती हैं। पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए कोयले से चलने वाले बिजली घर हानिकारक हैं। महाराष्ट्र में तो यह मुद्दा भी उठाया गया था कि पश्चिम महाराष्ट्र के उद्योगों की बिजली की जरूरत पूरी करने के लिए विदग्ध में बिजलीघर लगाए जाते हैं, जिससे विदग्ध में बढ़ते तापमान व प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। राख से फसलें भी बर्बाद होती हैं। 34 प्रतिशत से अधिक राख भाले कोयला का उपयोग नहीं करने का नियम 2020 में शिथिल कर दिया गया, राख और सल्फर उत्सर्जन से पर्यावरण व स्वास्थ्य को क्षति का मुद्दा भी विचारणीय है।

निशानेबाज

## सलीम-जावेद के नाम पर दूर की कौड़ी राहुल-शरद हैं जय-वीरु की जोड़ी

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, मानना होगा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक ऐसे कुशल डॉक्टर हैं जिन्होंने फर्जीवोटोमैनिआ नामक रोग की पहचान की है। यह बीमारी कॉविड, डेंगू या चिकनगुनिया से भी खतरनाक है, इसके संसर्ग में राहुल गांधी के बाद विपक्ष के अन्य नेता भी आने लगे हैं। जिसके इसका इन्फेक्शन हो जाता है वह बीजेपी और चुनाव आयोग की मिलीभगत का मानना आरोप लगाने लगता है। ऐसा करते समय यह भी नहीं सोचता कि बीजेपी महान राष्ट्रवादी पार्टी है जो चाल, चेहरा और चरित्र की गारंटी देती आई है और चुनाव आयोग परम पवित्र संवैधानिक संस्था है जिस पर शक करना पाप है। हमने कहा, यह रोग क्या है और इसके लक्षण क्या हैं? इसकी शुरुआत कहाँ से हुई?

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के चुनाव में व में फर्जी मतदान का आरोप लगाया है। जिसके बाद महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार ने भी इस आरोप की पुष्टि करते हुए



चुनाव जिताने का ऑफर लेकर आए थे। इसके बाद उन्होंने इन दलालों की मुलाकात राहुल गांधी से भी करवा दी थी। दोनों नेताओं ने तय किया वो इस चक्कर में नहीं पड़ेंगे। यह हमारी पार्टियों का रास्ता नहीं है। हम जनता के पास जाकर उसका समर्थन मांगेंगे।

विस्फोटक खुलासा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव घोषित होने के बाद उनके पास दिल्ली में 2 दलाल 160 सीटों पर

हमने कहा, देवेंद्र फडणवीस ने इस बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि पवार को राहुल का रोग लग गया है। उनकी हालत राहुल जैसी हो गई है जो सलीम-जावेद की फिल्मों की तरह मरणादं कथानियां गढ़ते हैं।

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, सलीम-जावेद की लिखी जंजीर, शोले, दीवार जैसी फिल्मों की कहानियां सुपर हिट हुई थीं। कहीं राहुल और शरद पवार का बयान भी इसी तरह जनता को न लुभाए! शोले के जय-वीरु के समान इन नेताओं की जोड़ी पक्की दोस्ती की मिसाल साबित न हो! आगे चलकर अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, केजरीवाल भी ऐसी बयानबाजी से सहमत होकर कह सकते हैं- मिले सुर मेरा तुम्हारा, हो एनडीए का कबाड़ा। शक की सुई तेजी से घूमनी लगी है। हमने कहा, सलीम-जावेद की शोले में गम्बर सिंह खलनायक था, यहाँ कौनसा विलन है?

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, राहुल गांधी शुरू से ही मोदी सरकार के जीएसटी को गम्बरसिंह टैक्स कहते आ रहे हैं।

संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11991 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4
5			6	
		7		8
9	10		11	12
		13		14
15			16	17
		18	19	
20				

निकलते हैं 2. खोह, गुफा, हिंसक जानवरों के रहने की जगह 3. सुंघनी रखने की डिब्बिया 4. टंडा, सर्द 6. भारत के उत्तर में स्थित प्रसिद्ध पर्वत 7. प्रसिद्ध (उर्दू) 10. मोर मयूर, नर्तक, अभिनेता (सं.) 12. सदा लात खाने वाला नीच 14. एक जाति जिसका कार्य प्रायः शराब बनाना और बेचना है 15. पतला बारीक, झीना 17. खान 18. तिरोंहित, लोप (सं.) 19. धाक, शक्ति

बाएँ से दाएँ

1. पुलकित, जिसके रोंगटे खड़े हो गए हैं 3. नाशक, नश्वर, नाश होने वाला (सं.) 5. नशा, घमंड, मतवाली हाथियों की कनपटी से निकलने वाला द्रव्य 6. किसी व्यक्ति पर रखा जाने वाला पहरा, हवालात 7. गौरव, महत्व, प्रभाव, प्रताप (सं.) 8. दली हुई अरहर मूँग आदि 9. ढाक, टेसू, 11. प्यारा बालक, लड़का 13. सुभीता (उर्दू) 15. बारह राशियों में से एक, मगर या चंडियाल 16. पोला 18. प्रभावशाली (उर्दू) 20. जिसका स्त्रि श्रुका हो ऊपर से नीचे

Solution 11990

अ	ब	स	व	भ	न	क
ग	र	व	भ	र	स	क
नी	न	वा	ग	त	झी	
	उ	स	त	आ		
उ	ब	ल	ना	स	वा	नी
प	ट	सु	हा	ग		
वा	न	प्र	स्थ	इ	म	हो
स	भा	ल	ना	न	ग	

1. शरीर के सूक्ष्म छेद जिनमें से रोए

## ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा, मन में तनाव रह सकता है, व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा, व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी, आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है, शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है, वर्ष के अन्त में नये स्रोतों में वृद्धि होगी, रूके कार्यों में गति आयेगी, धार्मिक कार्यों में व्यय होगा।

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्रोतों में वृद्धि होगी,

वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवाद हो सकता है, सिंह राशि के व्यक्तियों के रूके कार्यों में गति आयेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी, अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें।

मेघ- किसी नई योजना की ओर केन्द्रित

होंगे, महत्वाकांक्षा ऊँची प्रगति के लिये प्रेरित करेंगे। नया कार्य सामने आ सकता है, पुंज्य व्यक्तियों को सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

वृषभ- जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है, नौकरी में वातावरण सुखद रहेगा, कोई समस्या हल होगी। अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा।

मिथुन- अपने भविष्य को सुनियोजित करें, भविष्य संबंधी चिन्तन मन में प्रभावी रहेंगे। राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार व्यवसाय लाभकारी रहेगा।

कर्क- परिजनों को सुखद दुख से प्रभावित मन परिवार को एक जुट करने पर केन्द्रित रहेगा, पुत्रवार्थ बना रहेगा, किया गया प्रयास सार्थक होगा, मान सम्मान मिलेगा।

सिंह- किसी नये कार्य की पूर्ति होगी।

भावुकता व्यवहारिक जगत के अनुकूल चलनेकी चेष्टा करें, विरोधियों का पराभव होगा, मानसिक सुख मिलेगा।

कन्या- किसी संबंध को लेकर परिवार में विरोध का सामना करना पड़ेगा, स्वजनों की आत्मीयता में वृद्धि होगी, मान सम्मान लेखन कार्यों में प्रयास सार्थक होगा।

तुला- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के लिये प्रयत्नशील रहेंगे, कार्यों में अवरोध आयेगा, कुटुंबियों से सुख मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

वृश्चिक- मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, जोखिम के क्षेत्र में अच्छे लाभ के अवसर मिलेंगे, कामकाज पूरा होगा, कोर्ट कचहरी के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, व्यक्तित्ववान होगा। बचपन में स्वास्थ्य नरम गरम, बाद में स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। कामकाज में निपुण होशियार होगा। खेलों के प्रति अधिक रूचि रहेगी। किसी कला में उन्नति करेगा।

उदयकालीन ग्रह चाल

9	8	के.7 सू.	6	5
		च. सू.		
10			4	
11	12	1	2	3

पंचांग

रा.मि. 21 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण तृतीया भौमवासरे दिन 9/51, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रे दिन 2/2, सुकर्म योगे रात 9/53, विष्टि करणे सू.उ. 5/31 सू.अ. 6/29, चन्द्रचार कुम्भ दिन 8/15 से मीन, पूर्व- संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 12, 2, 3, 6, 7, 10 अ.रा. 1, 4, 5, 8, 9, 11 शुभांक- 5, 7, 1.

त्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण तृतीया को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अलसी, गुड़ खांड, अरंडी, बिनौला, घी, तेल, में तेजी होगी। रूई, कपास, से बनी वस्तुओं में चंदन के भाव में तेजी होगी। भायांक 7586 है।

SUDOKU 7123

8	4	3	9	7	5	6
3				2		
	7	6	5			4
9	6		5		1	7
5		1	4		9	8
4		8				5
2			6	1	4	
		7				8
7		9	8	3	5	6
						1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ण में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते। पहले का केवल एक ही हल है।

नवभारत सू-दोके 7122

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1